भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †190

सोमवार, 3 फरवरी, 2025/14 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना के उद्देश्य

†190. श्री मलैयारासन डी.:
श्री सी. एन. अन्नादुरई:
श्री जी. सेल्वम:
श्री नवसकनी के.:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना लागू की है;

(ख) तीर्थ-स्थलों के चयन के मानदंडों सहित प्रसाद योजना के उद्देश्य, परिधि और प्रमुख लक्षित क्षेत्र क्या हैं;

(ग) प्रसाद योजना के अंतर्गत आध्यात्मिक संधारणीय पर्यटन को बढ़ावा देने और तीर्थ-स्थलों पर अवसंरचना में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) तमिलनाडु में इस योजना के लिए आवंटित कुल निधि कितनी है और तमिलनाडु के कल्लाकुरिची संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित इसके कार्यान्वयन में अब तक हुई प्रगति क्या है;

(ङ) सरकार की प्रसाद योजना की शुरूआत से लेकर अब तक की प्रमुख उपलब्धियां और प्रसाद परियोजनाओं को लागू करने में आने वाली चुनौतियां क्या है;

(च) तमिलनाडु में प्रसाद योजना के अंतर्गत पहचाने गए और विकसित किए गए तीर्थ-स्थलों की संख्या कितनी है;

(छ) प्रसाद योजना में शामिल तीर्थ-स्थलों की सूची और प्रत्येक राज्य को राज्य-वार आवंटित निधि कितनी है;

(ज) क्या ऐसे कोई राज्य हैं जहां प्रसाद योजना अभी तक लागू नहीं की गई है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(झ) सरकार प्रसाद योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी और नियमित मूल्यांकन किस प्रकार करती है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (झ): जी हाँ, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) योजना का कार्यान्वयन कर रहा है।

चिह्नित तीर्थस्थलों और विरासत स्थलों के एकीकृत विकास के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन' (प्रशाद) प्रारंभ किया गया है। इस योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय महत्वपूर्ण तीर्थस्थल और विरासत स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना का उद्देश्य पर्यटकों को मिलने वाली सुविधाओं, उनकी पहुंच, सुरक्षा, स्वच्छता, अनुभवों को सक्षम बनाते हुए सुविचारित योजनाबद्ध पर्यटन अवसंरचना की उपलब्धता के माध्यम से पर्यटकों की तीर्थयात्रा और आध्यात्मिक अनुभव को जोश और उमंग से सराबोर करना और एकीकृत, समावेशी और सतत विकास के माध्यम से तीर्थयात्रा/विरासत शहर की आत्मा को पुनर्जीवित/संरक्षित करना है जिससे स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

प्रशाद योजना के तहत तीर्थ स्थलों का चयन विभिन्न मापदंडों के आधार पर किया जाता है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, तीर्थयात्रियों की संख्या, स्थानों का सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और विरासत महत्व, राष्ट्रव्यापी विकास सुनिश्चित करने के लिए समान प्रतिनिधित्व, धन की उपलब्धता और अन्य कारक शामिल हैं। इस प्रक्रिया पर कार्य राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से किया जाता है।

योजना प्रारंभ होने के बाद से, मंत्रालय ने 27 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्र में 1594.40 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 47 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और इन परियोजनाओं के लिए अब तक कुल 1047.92 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

तमिलनाडु राज्य सहित योजना के तहत अब तक जारी किए गए धन के विवरण के साथ-साथ स्वीकृत परियोजनाओं/पहचाने गए स्थलों का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्तावो की प्राप्ति एक निरंतर जारी रहनी वाली प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है तथा निर्धारित शर्तों की पूर्ति तथा निधियों की उपलब्धता के अधीन ऐसी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं में सबसे बड़ी समस्या उनका समय पर पूरा होना सुनिश्चित करना है। यद्यपि परियोजनाओं का क्रियान्वयन संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है, तथापि पर्यटन मंत्रालय नियमित रूप से उनकी प्रगति की निगरानी करता है तथा संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उन्हें पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है।

स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी तथा उसमें तेजी लाने तथा राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को मार्गदर्शन देने के लिए पर्यटन मंत्रालय विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करता है। इसके अलावा, केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति तथा मिशन निदेशालय की बैठकें भी योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित की जाती हैं।

*****

अनुबंध

श्री मलैयारासन डी., श्री सी. एन. अन्नादुरई, श्री जी. सेल्वम और श्री नवसकनी के. द्वारा प्रसाद योजना के उद्देश्य के संबंध में दिनांक 03.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †190 के भाग (क) से (झ) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	**क्र. सं.**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**	**जारी राशि**	**वास्तविक प्रगति %**
आंध्र प्रदेश	1	अमरावती में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	27.77	27.77	100%
	2	श्रीशैलम मंदिर का विकास	2017-18	43.08	43.08	100%
	3	सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	54.04	13.69	28%
	4	अन्नावरम मंदिर शहर में तीर्थ पर्यटन अवसंरचना का विकास	2024-25	25.33	-	0%
अरुणाचल प्रदेश	5	परशुराम कुंड का विकास	2020-21	37.88	21.95	86%
असम	6	कामाख्या मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	29.80	29.80	100%
बिहार	7	पटना साहिब में विकास	2015-16	29.62	29.62	100%
	8	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63	3.63	100%
छत्तीसगढ़	9	मां बमलेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2020-21	48.44	32.13	90%
गोवा	10	बोम जीसस बेसिलिका का विकास	2024-25	16.46	-	0%
गुजरात	11	द्वारका का विकास	2016-17	10.46	10.46	100%
	12	सोमनाथ में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2016-17	45.36	45.36	100%

	13	सोमनाथ में सैरगाह का विकास	2018-19	47.12	47.12	100%
	14	अंबाजी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	50.00	10.54	30%
हरियाणा	15	माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहिब गुरुद्वारा का विकास	2019-20	48.53	34.68	74%
जम्मू और कश्मीर	16	हजरतबल दरगाह में विकास	2016-17	40.46	34.30	90%
झारखंड	17	बाबा बैद्यनाथ धाम का विकास	2018-19	36.79	34.95	100%
कर्नाटक	18	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2023-24	45.71	0.00	0%
केरल	19	गुरुवायूर मंदिर में विकास	2016-17	45.19	45.19	100%
मध्य प्रदेश	20	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	34.73	81%
	21	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93	43.93	100%
महाराष्ट्र	22	त्र्यंबकेश्वर का विकास	2017-18	42.18	29.93	93%
मेघालय	23	नोंगस्वालिया चर्च, नर्तियांग शक्ति पीठ, ऐतनार पूल और चरणतला काली मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	29.29	24.92	100%
मिजोरम	24	चिते वांग, जुआंगताई, रइक और आइजोल में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022-23	44.89	13.18	29%
नागालैंड	25	मोलुंगकिमोंग, नोकसेन चर्च, ऐजुतो, वोखा और कोहिमा में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2018-19	25.20	21.33	100%
	26	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	10.91	62%
ओडिशा	27	पुरी में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00	10.00	-
पंजाब	28	अमृतसर में करुणा सागर वाल्मीकि स्थल का विकास	2015-16	6.40	6.40	100%
	29	चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57	17.49	79%
राजस्थान	30	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत	2015-16	32.64	26.11	100%

		विकास				
सिक्किम	31	फोर पेट्रन सेंट, युकसोम में तीर्थ सुविधा का विकास	2020-21	33.32	28.31	87%
तमिलनाडु	32	कांचीपुरम का विकास	2016-17	13.99	13.99	100%
	33	वेलंकन्नी का विकास	2016-17	4.86	4.86	100%
तेलंगाना	34	जोगुलम्बा देवी मंदिर का विकास	2020-21	38.90	33.07	72%
	35	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00	12.82	37%
	36	भद्राचलम में तीर्थ अवसंरचना का विकास	2022-23	41.38	8.43	15%
त्रिपुरा	37	त्रिपुर सुंदरी मंदिर का विकास	2020-21	34.43	25.62	63%
उत्तर प्रदेश	38	वाराणसी का विकास -चरण-I	2015-16	18.73	18.73	100%
	39	मथुरा-वृंदावन का मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98	10.98	100%
	40	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02	9.02	100%
	41	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36	100%
	42	वाराणसी का विकास -चरण-II	2017-18	44.60	31.77	100%
	43	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	30.97	100%
उत्तराखंड	44	केदारनाथ का एकीकृत विकास	2015-16	34.77	34.77	100%
	45	बदरीनाथ जी धाम में तीर्थ सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.15	38.38	85%
	46	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थ संबंधी अवसंरचना सुविधाओं का विस्तार	2021-22	54.36	10.22	100%
पश्चिम बंगाल	47	बेलूर मठ का विकास	2016-17	30.03	23.39	100%

*****